पाठ 12. सुनामी

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में प्रभावी संप्रेषण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे शाब्दिक और गैर-शाब्दिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने में समर्थ हो सकें। प्राकृतिक आपदा से निपटने की उचित तैयारियों के अभाव में जन-धन की कितनी हानि होती है, इस पाठ में इसपर प्रकाश डाला गया है। संकट की घड़ी में दुनियाभर के लोग एकजुट हो जाते हैं। इस सकारात्मक पक्ष को रखने से विश्व-बंधुत्व की भावना का परिचय इस पाठ में मिलता है।

पाठ का सार

सुनामी की लहरों ने पिछले सात वर्षों में दो बार जो भयानक तबाही मचाई है उसका लेखा-जोखा इस पाठ में है। सन् 2004 में इंडोनेशिया, थाइलैंड, श्रीलंका और भारत के दक्षिणी हिस्से में मची तबाही बेहद भयानक थी। सन् 2011 में जापान में सुनामी ने जो कहर बरपाया और उससे जन-धन की जो हानि हुई, वह तो दर्दनाक है ही लेकिन परमाणु संयंत्रों में जो रिसाव हुआ, वह एक बहुत बड़ी चेतावनी भी है। कभी-कभी तो लगता है, उन्नत तकनीक का यह साजो-सामान कहीं किसी दिन विनाश का कारण न बन जाए। कई मोर्चों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंधों की ज़रूरत है, इनकी अनदेखी करना बहुत महँगा पड़ सकता है। ऐसी प्राकृतिक विपदाओं के समय पीड़ित लोगों की सहायता करना समस्त मानव जाति का कर्तव्य बनता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  बच्चों से भूकंप के बारे में उनके अनुभव पूछें। टेलीविज़न व समाचारपत्रों में आने वाली सुनामी से संबंधित खबरों के बारे में पूछें व बताएँ। सुनामी का शाब्दिक अर्थ बताएँ। पाठ के पठन-पाठन के क्रम में सन् 2004 व सन् 2011 में सुनामी से हुई तबाही के बारे में बताएँ। इनसे बचने के उपायों पर चर्चा करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्य की परिभाषा उदाहरण देकर समझाएँ। संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्य में प्रयुक्त हुए योजकों के बारे में भी बताएँ।
  - वाक्य में कुछ पदों के लिंग व वचन अन्विति के माध्यम से पहचाने जा सकते हैं, इसके बारे में समझाएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - सुनामी के प्रभाव से संबंधित परियोजना के लिए विद्यालय में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराएँ। बच्चे पुरानी पत्रिकाओं की सहायता भी ले सकते हैं।
  - पेड़ों की कटाई आदि जैसे उदाहरण देकर प्रकृति से छेड़छाड़ के बारे में व इसके दुष्परिणामों के बारे में समझाया जा सकता है।